प्रेम का धागा | by Toshi Kaur

प्रेम का धागा तुझको कान्हा आई हूँ मैं बांधने
बीरा राखी का मान बढ़ा जा रे
वादा प्रेम बंधन का निभा जा रे

खुशकिस्मत मैं समझू खुद को किस्मत ऐसी पाई
श्याम सलोने तेरे रूप में पाया अपना भाई
दिल की खुशियां तुझसे कन्हैया आई हूँ मैं बांटने
बीरा राखी का मान बढ़ा जा रे
वादा प्रेम बंधन का निभा जा रे

भाई बहन का आया ये दिन इस दिन का क्या कहना
खुशी खुशी अपने भाई से चली है मिलने बहना
थाल सजा के डीप जला के आई तेरे आंगने
बीरा राखी का मान बढ़ा जा रे
वादा प्रेम बंधन का निभा जा रे

जिस हाथों में थी मुरली उस हाथ में बाँधी डोरी
हाथ जोड़ कर भाई से अपने कुंदन बहना बोली
तुम भी अपना मुझे समझना खड़ी मैं तेरे सामने
बीरा राखी का मान बढ़ा जा रे
वादा प्रेम बंधन का निभा जा रे

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%aa%e0%a5%8d%e0%a4%b0%e0%a5%87%e0%a4%ae-%e0%a4%95%e0%a4%be-%e0%a4%a7%e0%a4%be%e0%a4%97%e0%a4%be-by-toshi-kaur/